उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज

पाठ्यक्रम

भूगोल–पी0जी0टी0 (माध्यमिक शिक्षा)

(विषय कोड–15)

1.भौगोलिक चिंतनः

भूगोल का अर्थ और विषय क्षेत्र, प्राचीन और मध्यकालीन युग में भारत और विश्व में भौगोलिक ज्ञान की सामान्य विशेषताएँ, आधुनिक भूगोल की नींव और विभिन्न भारतीय तथा पश्चिमी विद्वानों का योगदान, प्रमुख भौगोलिक चिंतन–पर्यावरणवाद, संभववाद, संभाव्यवाद, नव–नियतिवाद, मानव और पर्यावरण, प्रत्यक्षवाद, व्यवहारवाद, मानवतावाद, नारीवाद और उत्तर–आधुनिकतावाद।

2.भौतिक भूगोल

A- **स्थलमंडलः** पृथ्वी की उत्पत्ति से संबंधित विभिन्न परिकल्पनाएँ और उनका आलोचनात्मक मूल्यांकन, चट्टानों के प्रकार, पृथ्वी की आंतरिक संरचना,, महाद्वीपों और महासागरीय बेसिनों की उत्पत्ति, महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धांत और प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत, भूसंतुलन का सिद्धांत, पृथ्वी की गतियाँ, ज्वालामुखी क्रिया और ज्वालामुखी, भूकंप, पर्वत निर्माण, वलन और भ्रंशन, अपक्षय, अपरदन, तथा बहते जल, भूमिगत जल, सागरीय जल, हिमनद और पवन द्वारा अपरदन एवं निक्षेपण से निर्मित स्थलरूप।

B.वायुमंडल– संरचना और बनावट, सूर्यताप, तापमान का क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर वितरण, ऊष्मा बजट, वायुमंडलीय परिसंचरण, वायु राशियाँ और वाताग्र, चक्रवात और प्रतिचक्रवात, स्थायी पवनें, स्थानीय पवनें, आर्द्रता और वर्षण, बादलों के प्रकार और वर्षा, विश्व के जलवायु प्रकार, जलवायु परिवर्तन, वैश्विक तापन, ग्रीनहाउस प्रभाव।

C.समुद्र विज्ञान – समुद्र की तली की बनावट, समुद्री जल का तापमान, लवणता और घनत्व तथा उनका वितरण, समुद्री निक्षेप, समुद्री जल का परिसंचरण–ज्वार–भाटॉ, तरंगें और धाराएँ एवं सुनामी, प्रवाल भित्तियाँ और समुद्री संसाधन।

D.जैवमंडल – अर्थ और अवधारणा, पारिस्थितिकी, पारिस्थितिकी तंत्र, पादप और जंतु समुदाय तथा उनका वितरण, जैव–विविधता और उसका संरक्षण।

3. भारतः स्थिति और विस्तार, भू–आकृति और भू–आकृतिक प्रदेश, जलवायु एवं जलवायु प्रदेश, भारतीय मानसून की क्रियाविधि, वनस्पति के प्रकार और उनका वितरण, वन्यजीव संसाधन, अपवाह तंत्र, बाढ़ और सूखा, मृदा के प्रकार, सिंचाई और बहुउद्देशीय परियोजनाएँ, प्रमुख खनिज और ऊर्जा संसाधन, प्रमुख फसलों का उत्पादन और उत्पादक क्षेत्र, प्रमुख उद्योग और औद्योगिक प्रदेश, पर्यटन और पर्यावरण–पर्यटन, जनसंख्या–वृद्धि और वितरण, जनांककीय विशेषताएँ, नगरीकरण, भारतीय प्रवासी समुदाय, परिवहन और संचार, राष्ट्रीय और विदेशी व्यापार, ग्रामीण विकास कार्यक्रम।

4. मानव भूगोलः: मानव भूगोल की अवधारणा, तत्व और कार्यक्षेत्र, मानव भूगोल का विकास, मूलभूत सिद्धांत– नियतिवाद, संभववाद और नव–नियतिवाद, मानव और पर्यावरण के बीच संबंध, मानव प्रजातियाँ, भारत और विश्व की प्रमुख जनजातियाँ ।

5. संसाधन भूगोल : संसाधनं की अवधारणा, संसाधनों का वर्गीकरण, संसाधनों का उपयोग और संरक्षण, वन और वन्यजीव संसाधन, जल संसाधन, मृदा और उसके प्रकार, विश्व के ऊर्जा और खनिज संसाधनों का उत्पादन और वितरण,पृथ्वी के दुर्लभ खनिज संसाधन, कृषि के प्रकार, विश्व में प्रमुख फसलों का उत्पादन और वितरण, विश्व के कृषि प्रदेश, प्रमुख उद्योग–अवस्थिति, उत्पादन और उत्पादक क्षेत्र, विश्व के औद्योगिक प्रदेश, परिवहन के साधन और उनका सापेक्षिक महत्व, विश्व के प्रमुख परिवहन मार्ग और तंत्र, बंदरगाह और पोताश्रय, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और व्यापार गुट।

6. सांस्कृतिक भूगोलः

A- सांस्कृतिक तत्व, प्रमुख सांस्कृतिक परिमंडल, विश्व के सांस्कृतिक प्रदेश, सांस्कृतिक नवाचार और प्रसरण, वैश्वीकरण के प्रभाव।

B- प्रदेश की अवधारणा और प्रकार, विश्व के अविकसित और विकसित देशों की विशेषताएं, प्रादेशिक नियोजन और विकास की अवधारणा, प्रादेशिक असंतुलन–कारण और नियोजन, भारत के बाढ़, सूखा, भूस्खलन और भूकम्प संभावित क्षेत्र तथा आपदा प्रबंधन।

7. मानचित्रकला:

A- मानचित्रों का परिचय और प्रकार, मानचित्रों का इतिहास, पैमाना–परिभाषा, प्रकार, प्रस्तुतीकरण की विधियाँ और रूपांतरण।

B- मानचित्र प्रक्षेप: अक्षांश और देशांतर, याम्योत्तर और समय, अंतर्राष्ट्रीय तिथि रेखा, मानचित्र प्रक्षेप के तत्व, वर्गीकरण और उपयोग, शंक्वाकार, बेलनाकार, मरकेटर प्रक्षेप, गॉल, सेनुसोइडल और मोलविड प्रक्षेप की रचना।

C- स्थलाकृतिक मानचित्र: वर्गीकरण, पैमाना, समोच्च रेखाओं के माध्यम से भू–आकृतियों का प्रदर्शन, स्थलाकृतिक मानचित्रों की व्याख्या।

D- सांख्यिकीय विधियाँ: प्राथमिक और द्वितीयक आंकड़ों का संग्रहण, प्रतिचयन, सारणीयन, वर्गीकरण और प्रस्तुतीकरण, केंद्रीय प्रवृत्ति, मानक विचलन, सहसंबंध, आंकड़ों का आरेखीय प्रस्तुतीकरण।

E- सुदूर संवेदन और भौगोलिक सूचना तंत्र : हवाई फोटोग्राफ–प्रकार और विशेषताएं, उपग्रह प्रतिबिंब, हवाई फोटोग्राफ और प्रतिबिंबों से आंकड़ों का संग्रहण, भौगोलिक सूचना तंत्र के घटक, इसकी प्रक्रिया, सॉफ्टवेयर और उनके अनुप्रयोग।

U.P. EDUCATION SERVICE SELECTION COMMISSION, PRAYAGRAJ

Syllabus

GEOGRAPHY-PGT (Secondary Education)

(Subject Code-15)

1.Geographical Thought:

Meaning and scope of Geography, General characteristics of Geographical knowledge in India and world during ancient, medieval period. Foundation of modern geography and contribution of different Indian and western scholars. Major Geographical thought Environmentalism, possibilism, Probabilism, Neo-determinism, man and environment, Positivism, Behavouralism, Humanism, Feminism and Post- modernism.

2.Physical Geography:

A. Lithosphere: Different hypothesis of origin of earth and their critical appraisal. Types of rocks, Interior of the earth, origin of the continents and ocean basins, continental drift theory and plate tectonic theory. Theory of Isostasy, earth's movement, vulcanicity and volcanoes, earthquake, mountain building, fold and fault, weathering, erosion, and land forms made by erosion and deposition of running water, underground water, Marine water, Glacial and wind.

B. Atmosphere- composition and structure of atmosphere, Insolation, horizontal and vertical distribution of temperature, heat budget, Atmospheric circulation, Air masses and fronts, cyclone and anticyclone, permanent winds, local winds, humidity and precipitation, types of clouds and rainfall, world Climate Types, Climate change, Global warming, greenhouse effect.

C. Oceanography-Relief of ocean bottom, Temperature, Salinity and density of ocean water and their distribution, ocean deposits, ocean water circulation- Tide, waves and ocean currents,Tsunami, coral reefs and marine resources

D. **Biosphere**-Meaning and concept, ecology, ecosystem, Plant and animal community and their distribution bio-diversity and its conservation.

3.India:

Location and size, physiography and physiographic region, Climate and climate regions, mechanism of Indian monsoon, vegetation types and their distribution, wildlife-resources, drainage system, flood and drought, soil types, Irrigation and multipurpose projects, Major mineral and energy resources, production and producing areas of major crops, major industries and industrial regions, Tourism and eco-tourism, Population, growth and distribution, demographic features, urbanization, Indian diaspora, Transport and communication, National and foreign trade. Rural development Programme

4.Human Geography:

Concept, elements, scope of human Geography Development of Human Geography. Fundamental principles, determines, possibilism and neo-determinism, man and environment relation, Human races, Major tribes-Indian and world.

5. Resource Geography:

Concept of resources, Classification of resources, resources utilization and conservation. Forest and wildlife, water resources, Soil and its types, production and distribution of energy and mineral resource of the world, rare earth elements, Types of agriculture, major crop production and distribution in the world, agricultural regions of the world, major industries-location, production and producing

regions, Industrial regions of the world, means of transportation and their relative importance, major transport routes and network of the world. Ports and harbours, international Trade and trade blocks,

6. Cultutural Geography:

A. Cultural elements, major cultural realm, cultural regions of the world. Cultural innovations and diffusion, Impacts of globalization.

B. Concept and types of regions; features of underdeveloped and developed countries of the world, concept of regional planning and development, Regional imbalances causes and planning, flood, droughts, landslide, earthquake prone areas of Indian and disaster management.

7.Cartography:

A. Introduction of maps, types of maps, History of map, scale- definition, types, methods of presentation of scale and conversion.

B. Map Projection-Latitude and longitude, meridians and time, International date line, elements of map projections, classification and use. Construction of conical, cylindrical, Mercator's, Gall's, sinusoidal and Mollweide projections.

C. Topographical Map-Classification, scale, presentation of land forms through contour lines, interpretation of topographical maps.

D. Statistical Methods- Collection of primary and secondary data, sampling, Tabulation, classification and presentation, central tendency, standard Deviation, correlation, Graphical presentation of data.

E. Remote Sensing and GIS- Aerial photographs, types and features, satellites imagery. Collection of data from aerial photograph and imagery, components of GIS, its process, software and their application.